सौतन का विरोध करने पर दे दिया तीन तलाक

दो बेटियों का खर्च उठाने की बात पर पत्नी से की मारपीट

नव भारत न्यूज

इंदौर. पत्नी और दो बेटियों को छोड़कर करीब डेढ़ साल से दूसरी महिला के साथ रह रहे पति ने पत्नी के विरोध करने पर पहले उसके साथ मारपीट की और फिर तीन तलाक देकर रिश्ता खत्म करने की बात कही. इतना ही नहीं, आरोपी ने पत्नी को तीन तलाक का सूचना पत्र भी भेज दिया. परेशान महिला की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया.

ताज नगर में रहने वाली अमरीन की शिकायत पर उसके पति मोहम्मद इमरान पिता इकबाल खान

आगे जांच जारी...

मामले में थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने बताया कि महिला की शिकायत पर पति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है, मामले में आगे की जांच की जा रही है.

परिजनों ने समझाया तो भी साथ रखने से किया इनकार...

घटना के बाद अमरीन के परिजनों ने इमरान को समझाने का प्रयास किया . इस पर उसने कहा कि वह अमरीन को तीन तलाक दे चुका है और अब उसके साथ नहीं रह सकता, इसके बाद उसने अमरीन को तीन तलाक का सूचना पत्र भी भेज दिया . पति के इस रवैये से परेशान अमरीन परिजनों के साथ खजराना थाने पहुंची और पुलिस को पूरी घटना बताई .

के खिलाफ तीन तलाक और मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है. इमरान करीब डेढ़ साल से दूसरी महिला के साथ रह रहा था.

इस दौरान वह पत्नी को परेशान भी करता था. 22 जुलाई को इमरान घर आया था, इस दौरान अमरीन ने उससे कहा कि यदि वह दूसरी महिला के साथ रह रहा है तो अपनी दोनों बेटियों को भी साथ रखे और उनका खर्च उठाए.

इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया. आरोप है कि इमरान ने अमरीन के साथ मारपीट की और बाद में उसे तीन तलाक देकर घर से चला गया.

बैंक में कंपनी के दो पार्टनर भिड़े, विवाद का वीडियो वायरल

- पुलिस ने बैंक से मंगवाए सीसीटीवी फुटेज
- जांच के बाद होगी कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. विजयनगर स्थित एचडीएफसी बैंक की शाखा में मंगलवार को टी-लॉजिक कंपनी के दो पार्टनरों के बीच विवाद हो गया. बैंक परिसर में दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए बैंक प्रबंधन से सीसीटीवी फुटेज मांगे हैं. प्रारंभिक जांच में विवाद की वजह कंपनी के बैंक खातों और आपसी लेन-देन से जुड़ी वित्तीय अनबन होने की आशंका जताई जा रही है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, टी लॉजिक कंपनी के दोनों पार्टनर किसी व्यावसायिक काम से बैंक पहुंचे थे. इसी दौरान किसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी शुरू हो गई. कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और बैंक परिसर में ही तीखी बहस होने लगी. इस दौरान वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल से वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. वीडियो सामने आने के बाद विजयनगर पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाना शुरू की. पुलिस की प्रारंभिक जांच में दोनों के टी-लॉजिक कंपनी में पार्टनर होने की जानकारी सामने आई है.

खातों में लेन-देन को लेकर विवाद की आशंका

पुलिस को आशंका है कि कंपनी के बैंक खातों में लेन-देन को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ. हालांकि, वास्तविक कारण जांच और दोनों पक्षों के बयानों के बाद ही स्पष्ट होगा. एक पक्ष थाने पहुंचकर शिकायत कर चुका है. मामले में थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने बताया कि बैंक में दो पार्टनरों के बीच विवाद की सूचना मिली है. मामले की वास्तविक स्थिति पता लगाने के लिए बैंक से सीसीटीवी फुटेज मंगवाए गए हैं. फुटेज और दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

फर्जी अनुमति पत्र मामले में पूर्व पार्षद की दूसरी अग्रिम जमानत खारिज

आरोपी से पूछताछ जरूरी, कोर्ट ने माना- जमानत से जांच प्रभावित होने की आशंका

नव भारत न्यूज

इंदौर. हाथीपाला स्थित शासकीय उर्दू कन्या उप महाविद्यालय परिसर में बसें खड़ी करने की अनुमति से जुड़े कथित फर्जी दस्तावेज के मामले में जिला कोर्ट ने पूर्व पार्षद इफ्तेखार उर्फ मुन्ना अंसारी की दूसरी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, कोर्ट ने आरोपी से पूछताछ को जरूरी माना है.

मामला 2021 में सेंट्रल कोतवाली थाने में दर्ज प्रकरण से जुड़ा है. अभियोजन के अनुसार, 14 सितंबर 2019 को असफाक अंसारी ने डीआईजी को शिकायत की थी कि स्कूल परिसर में चार बसें खड़ी करने के लिए तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर और सीईओ के हस्ताक्षर वाला अनुमति पत्र दिया गया था. बाद में सामने आया कि ऐसा कोई पत्र जारी नहीं हुआ था. जांच के दौरान पुलिस ने अनुमति पत्र जब्त कर फोरेंसिक परीक्षण कराया. दस्तावेज मूल न होकर रंगीन फोटो कॉपी था, जिसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से तैयार किया गया था.

आरोप है कि इसे वास्तविक बताकर लाभ लेने का प्रयास किया गया. अंसारी की ओर से अधिवक्ता ने राजनीतिक और पुरानी रंजिश के चलते झूठा प्रकरण दर्ज कराने का तर्क दिया. बचाव पक्ष ने उनकी उम्र, पूर्व पार्षद रहने और जांच में सहयोग करने का हवाला दिया. यह भी कहा कि दस्तावेज की मूल प्रति बरामद नहीं हुई और उसे तैयार करने में आरोपी की भूमिका का स्पष्ट साक्ष्य नहीं है. शिकायतकर्ता और अन्य आपत्तिकर्ताओं ने जमानत का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि आरोपी पहले की अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद से गिरफ्तारी से बच रहा है और शिकायतकर्ता के परिवार पर समझौते का दबाव बनाया जा रहा है. अभियोजन की ओर से एजीपी योगेश जायसवाल ने भी जमानत का विरोध किया. कोर्ट ने केस डायरी देखने के बाद कहा कि फर्जी पाए गए पत्र की मूल प्रति बरामद नहीं हुई है.

आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाना जरूरी है कि मूल दस्तावेज उपलब्ध है या उसे नष्ट किया गया है. कोर्ट ने कहा कि अंतिम प्रतिवेदन पेश होने के बाद भी पुलिस अतिरिक्त जांच कर पूरक अभियोग-पत्र पेश कर सकती है. ऐसे में आरोपी को अग्रिम जमानत देने से जांच प्रभावित होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता.

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, केस दर्ज

इंदौर. शादी का वादा कर युवती को होटल ले जाने और उसकी मर्जी के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाने का मामला सामने आया है. आरोप है कि बाद में युवक अपने वादे से मुकर गया और विवाह करने से इनकार कर दिया. इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की. छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती की आरोपी अमित निवासी बदनावर, जिला धार से पहचान थी. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उससे शादी करने का वादा किया था. इसी भरोसे में वह उसके साथ सरवटे बस स्टैंड स्थित होटल गई थी, जहां आरोपी ने उसकी इच्छा के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए. इसके बाद जब उसने शादी की बात की तो आरोपी ने विवाह करने से इनकार कर दिया. काफी प्रयास के बाद भी आरोपी तैयार नहीं हुआ तो युवती ने छोटी ग्वालटोली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस पीड़िता के बयान और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है.

मकान बेचने का झांसा देकर बुजुर्ग महिला से 20 लाख ठगे

नव भारत न्यूज

इंदौर. मकान बेचने का झांसा देकर एक बुजुर्ग महिला से 20 लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है. आरोपियों ने खुद को संपत्ति का मालिक बताकर सौदा किया और अलग-अलग किस्तों में रकम लेने के बाद रजिस्ट्री कराने से बचते रहे. पड़ताल में संपत्ति किसी और के नाम होने का खुलासा हुआ.

अखंड नगर निवासी मंजू वर्मा ने कृष्णबाग कॉलोनी में 15 बाय 45 वर्गफीट का ग्राउंड फ्लोर मकान खरीदने का सौदा किया था. सौदे के दौरान राजू नरवरिया ने संदीप उर्फ गोलू राठौर, पंकज यादव और अन्य साथियों के साथ मिलकर महिला को भरोसे में लिया. आरोपियों की बात पर विश्वास कर मंजू ने दिसंबर 2024 से मार्च 2025 के बीच अलग-अलग किस्तों में 20 लाख रुपए उनके खातों में ट्रांसफर कर दिए. रकम मिलने के बाद जब महिला ने रजिस्ट्री कराने के लिए कहा तो आरोपी लगातार बहाने बनाने लगे. संदेह होने पर महिला ने मकान के दस्तावेजों की जानकारी जुटाई.

तब पता चला कि राजू नरवरिया संपत्ति का मालिक ही नहीं है. रिकॉर्ड के मुताबिक मकान रमण कोठना के नाम है, जिन्होंने वर्ष 2012 में इसे ताराबाई से खरीदा था. सच्चाई सामने आने के बाद महिला ने आरोपियों से रकम लौटाने के लिए कहा, लेकिन वे लगातार टालते रहे. मई 2025 में शुभम कुशवाह ने फोन पर बातचीत के दौरान रकम लौटाने के बजाय पैसे हड़पने की बात कही.

पुराने जालसाजी के मामलों की भी जांच...

पुलिस की पड़ताल में शुभम कुशवाह और उसके कुछ साथियों के पूर्व में जालसाजी के मामलों में जेल जाने की जानकारी भी सामने आई है. शिकायत की जांच के बाद संदीप उर्फ गोलू राठौर, पंकज यादव, राजू नरवरिया, शुभम कुशवाह और राकेश प्रजापत के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है. एरोड्रम थाना प्रभारी वेदेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि मामले में शिकायत के आधार पर जांच की गई है. दस्तावेजों और रुपए के लेन-देन से जुड़े तथ्यों को जुटाया जा रहा है. आरोपियों की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर टीम भेजी गई है. जांच में सामने आने वाले अन्य तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में

भीमराव अंबेडकर मंडल कोदरिया प्रदेश में अव्वल

महू. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक कार्यक्रम मन की बात के 137वें एपिसोड को कोदरिया मंडल के ग्राम बसीपीपरी में अनोखे अंदाज में सुना गया. खेती-किसानी के कार्य के बीच खेत पर ही मोबाइल रखकर किसान भाइयों के साथ सामूहिक रूप से कार्यक्रम सुना गया. भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश यादव ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन विधायक उषा ठाकुर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा के नेतृत्व में किया गया. इस दौरान उपस्थित किसानों ने प्रधानमंत्री जी के संदेश को ध्यान से सुना. मंडल के सभी 83 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुनकर ऑनलाइन अपलोडिंग करने के ड्रॉ में भीमराव अंबेडकर मंडल कोदरिया प्रदेश में अव्वल स्थान पर रहा.

शौर्य और कर्तव्य की गूंज : वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

महू. सैन्य प्रशिक्षण और वीरता के प्रमुख केंद्र द इन्फैंट्री स्कूल महू ने मंगलवार को अपनी सैन्य परंपराओं के अनुरूप अत्यंत गरिमा, गौरव और श्रद्धा के साथ अपना 78वां स्थापना दिवस मनाया. इस ऐतिहासिक अवसर पर स्कूल के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल विजय बी. नायर, एवीएसएम, एसएम ने युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी. समारोह में द बेयॉनेट फ्रेटरनिटी के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिसमें सैन्य अधिकारी, जूनियर कमीशंड अधिकारी गैर-कमीशंड अधिकारी और रक्षा असैनिक कर्मचारी शामिल रहे. उपस्थित सभी जांबाजों ने संस्थान की समृद्ध विरासत, उच्च सैन्य परंपराओं और व्यावसायिक उत्कृष्टता के मूल्यों को अटूट बनाए रखने का सामूहिक संकल्प दोहराया. समारोह के दौरान इन्फैंट्री स्कूल की गौरवशाली विरासत और विशिष्ट परंपराओं के प्रति गहरी निष्ठा प्रकट की गई. इस विशेष अवसर पर संस्थान के मूल और शाश्वत आदर्शों, शौर्य, बलिदान और कर्तव्य को याद किया गया, जो आज भी भारतीय सेना की इन्फैंट्री की हर नई पीढ़ी के मार्गदर्शक बने हुए हैं और उन्हें देश सेवा के लिए प्रेरित करते हैं.

नि:शुल्क कार्यशाला : मिट्टी के गणेश बनाने के गुर सिखाए

महू. गणेशोत्सव को पर्यावरण हितैषी बनाने के उद्देश्य से स्थानीय तेजस्विनी महिला मंडल द्वारा श्री चक्की वाले महादेव मंदिर परिसर में मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण की एक दिवसीय नि:शुल्क कार्यशाला आयोजित की गई. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लेकर स्वयं अपने हाथों से इको-फ्रेंडली गणेश जी की प्रतिमा बनाने की कला सीखी. मंडल की संस्थापिका ज्योति त्रिवेदी ने बताया कि महिला मंडल लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है. इसी श्रृंखला में हर वर्ष यह कार्यशाला आयोजित की जाती है, जिसमें प्रतिमा निर्माण की संपूर्ण सामग्री मंडल की ओर से नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है. सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प प्रशिक्षक एवं मंडल की सदस्य तृप्ति मिश्रा ने प्रतिभागियों को मिट्टी को आकार देने से लेकर प्रतिमा तैयार करने तक की सभी बारीकियां सिखाईं. उन्होंने बताया कि इस अभियान को दो दशक से निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसके तहत ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्रशिक्षण दिया जाता है. कार्यशाला में भाग्यश्री शुक्ला, सुलेखा द्विवेदी और देवयानी शर्मा ने व्यवस्थाओं को संभाला.

मोबाइल हैक कर क्रेडिट कार्ड और यूपीआई से उड़ाए ढाई लाख

नव भारत न्यूज

इंदौर. मोबाइल हैक होने के बाद क्रेडिट कार्ड से रकम ट्रांसफर करने और मोबाइल बैंकिंग के जरिए यूपीआई से पैसे निकालने के दो मामले सामने आए हैं. महू और किशनगंज थाना क्षेत्रों में हुई इन वारदातों में जालसाजों ने दो लोगों से करीब ढाई लाख रुपए ठग लिए.

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. महू थाना क्षेत्र के गुजरखेड़ा, देवपुरी कॉलोनी निवासी सोहेल शेख का मोबाइल फोन अचानक बंद हो गया था. कुछ समय बाद फोन दोबारा चालू हुआ तो उन्हें क्रेडिट कार्ड से रकम ट्रांसफर होने की जानकारी मिली. जांच करने पर पता चला कि जालसाजों ने क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 95 हजार 522 रुपए निकाल लिए हैं. दूसरी वारदात किशनगंज थाना क्षेत्र में हुई. यहां कृष्णकांत चतुर्वेदी के यूपीआई खाते को निशाना बनाकर अज्ञात जालसाज ने चार अलग अलग लेन देन किए.

इन ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 54 हजार 999 रुपए निकाल लिए गए. दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है. जांच में संदिग्ध मोबाइल नंबर और बैंक खातों की जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस साइबर सेल की मदद से यह पता लगा रही है कि रकम किन खातों में ट्रांसफर की गई और वारदात के पीछे कौन लोग शामिल हैं.

जनसुनवाई : पारिवारिक विवाद से लेकर साइबर ठगी तक के मामले पहुंचे

- पुलिस कमिश्नर के समक्ष आईं 96 शिकायतें
- संबंधित अधिकारियों को दिए जल्द कार्रवाई के निर्देश

नव भारत न्यूज

इंदौर. पुलिस कमिश्नर की मंगलवार को हुई जनसुनवाई में शहर के अलग-अलग हिस्सों से 96 शिकायतें पहुंचीं. इनमें पति-पत्नी और बेटा-बहू के विवाद के साथ साइबर व वित्तीय ठगी, जमीन-मकान से जुड़े धोखाधड़ी के मामले, पैसों के लेन-देन, महिला अपराध और पुलिस में सुनवाई नहीं होने जैसी शिकायतें शामिल थीं. पुलिस कमिश्नर ने आवेदकों की समस्याएं सुन संबंधित अधिकारियों को जल्द और उचित कार्रवाई के निर्देश दिए. मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने जनसुनवाई की. बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे. कई मामलों में आवेदकों ने पुलिस स्तर पर कार्रवाई नहीं होने या अपेक्षित समाधान नहीं मिलने की शिकायत भी रखी. जनसुनवाई में दस्तावेजों पर लोन लेकर धोखाधड़ी करने, इवेंट फर्म द्वारा पैसे लेने के बाद काम नहीं करने, पैसे लेने के बावजूद सामान नहीं देने और दुकान में तोड़फोड़ करने जैसी शिकायतें भी सामने आईं. इसके अलावा प्लॉट-मकान और जमीन की धोखाधड़ी से जुड़े मामले भी पुलिस के सामने रखे गए. पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक की शिकायत सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही जानकारी ली. कुछ मामलों में अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर कार्रवाई के निर्देश दिए. अधिकारियों को शिकायतों की जांच कर जल्द निराकरण सुनिश्चित करने के लिए कहा.

पारिवारिक विवादों में काउंसलिंग पर जोर

जनसुनवाई में आने वाली कई शिकायतें पारिवारिक विवादों से जुड़ी होती हैं. ऐसे मामलों में पुलिस मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से दोनों पक्षों की काउंसलिंग कर विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने का प्रयास कर रही है. मंगलवार को भी अधिकारियों को ऐसे मामलों में आवश्यक काउंसलिंग और कार्रवाई के निर्देश दिए.

ट्रेनों में यात्री सुविधाओं पर फिर उठे सवाल, रेल मंत्री तक पहुंचा मामला

- टीटीई के व्यवहार से गंदी बेडशीट तक की शिकायतें
- भीड़ अधिक होने के कारण ट्रेन में नहीं चढ़ पाने की भी शिकायत

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर से जुड़ी ट्रेनों में यात्री सुविधाओं को लेकर एक बार फिर शिकायतें सामने आई हैं. कहीं टीटीई के व्यवहार पर सवाल उठे तो कहीं रिजर्वेशन के बावजूद भीड़ के कारण यात्रियों के ट्रेन में नहीं चढ़ पाने की परेशानी सामने आई. शिप्रा एक्सप्रेस में गंदी और इस्तेमाल की हुई बेडशीट मिलने की शिकायत भी रेलवे तक पहुंची है.

प्रकाश बानोदा ने रेल मंत्री और रेलवे को टैग कर इंदौर-मंदसौर एसी ट्रेन में टीटीई पर महिला यात्री से बदतमीजी करने का आरोप लगाया. शिकायत में बताया कि किराए का अंतर जमा करने के बाद टिकट भी जारी कर दिया था, इसके बावजूद टीटीई ने यात्री के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया. रेलवे सेवा ने शिकायत संबंधित विभाग को भेजने की बात कही, जबकि रतलाम डीआरएम कार्यालय की ओर से भी मामले को कार्रवाई के लिए अग्रेषित करने की जानकारी दी गई.

दूसरी शिकायत भोपाल इंदौर ट्रेन 19324 में अत्यधिक भीड़ को लेकर सामने आई. वीरेंद्र ठाकुर ने बताया कि उनके परिवार के सदस्यों का रिजर्वेशन होने के बावजूद भीड़ के कारण वे ट्रेन में सवार नहीं हो सके. उनका कहना था कि मौके पर सहायता के लिए कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था. उन्होंने त्योहार को देखते हुए इंदौर-भोपाल के बीच अतिरिक्त ट्रेन चलाने की मांग की.

वहीं एक अन्य यात्री जयचंद्रेश्वर मिश्रा ने शिप्रा एक्सप्रेस में बेडशीट की स्थिति पर सवाल उठाया. उनका आरोप है कि उन्हें गंदी और पहले इस्तेमाल की हुई चादरें दी गईं. बेडशीट के लिफाफे भी पहले से खुले हुए थे. यात्रियों का कहना है कि इस तरह की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं, लेकिन स्थायी सुधार नजर नहीं आ रहा है.

35 वर्षीय युवक की हार्ट अटैक से मौत

इंदौर. कम उम्र में हार्ट अटैक से मौत का एक और मामला सामने आया है. संगम नगर में रहने वाला 35 वर्षीय युवक बाथरूम में बेसुध मिला था. परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद एमवाय अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया. मृतक मानसिंह पिता मुरलीलाल मूल रूप से आगरा का रहने वाला था और संगम नगर में परिवार के साथ किराए के मकान में रह रहा था. वह वाहन चलाने का काम करता था. बताया जा रहा है कि बाथरूम में जाने के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ी और वह वहीं गिर पड़ा. परिजनों की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया था. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया. थाना प्रभारी का कहना है कि प्राथमिक जांच में हार्ट अटैक से मौत होना प्रतीत हो रहा है. हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद स्पष्ट होगा.

15 लाख की साइबर ठगी, पूरी रकम फ्रीज

नव भारत न्यूज

इंदौर. केवाईसी अपडेट के नाम पर 64 वर्षीय सेवानिवृत्त महिला अधिकारी से साइबर ठगों ने 15 लाख रुपए से ज्यादा की ठगी कर ली. महिला ने समय रहते साइबर हेल्पलाइन पर सूचना दी, जिससे पूरी रकम फ्रीज करा ली गई.

विजयनगर में रहने वाली बीएसएनएल की सेवानिवृत्त अधिकारी वंदना शर्मा के मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर खुद को बैंक कर्मचारी बताते हुए खाते की केवाईसी अपडेट कराने को कहा. इसके बाद व्हाट्सऐप पर आईसीआईसीआई बैंक के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैन अपडेट नाम की एपीके फाइल भेजी. फाइल खुलवाकर महिला से बैंकिंग और डेबिट कार्ड की जानकारी हासिल की गई. इसके बाद आईमोबाइल एप में भी लॉगिन करवाया. ठगों ने खाते से जुड़ी एफडी तुड़वाकर रकम खाते में मंगाई और उपलब्ध राशि समेत 15,00,027 रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए. जांच में मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग सुविधा से छेड़छाड़ के साक्ष्य भी मिले हैं. रकम ट्रांसफर होने की जानकारी मिलते ही महिला ने 1930 पर कॉल कर राज्य साइबर सेल को सूचना दी. सेल ने संबंधित बैंकों से समन्वय कर ट्रांजेक्शन ट्रेल के आधार पर रकम जिन खातों में पहुंची, वहां उपलब्ध पूरी राशि फ्रीज करा दी, इससे ठग रकम निकाल नहीं सके. मामले में 1 सितंबर को प्रकरण दर्ज कर ठगी में इस्तेमाल मोबाइल नंबर, व्हाट्सऐप अकाउंट, एपीके फाइल और बैंक खातों से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है. मामले में अमित सोनी, एसपी, राज्य साइबर सेल ने नव भारत को बताया कि समय पर सूचना मिलने से ठगी की पूरी रकम फ्रीज करा ली गई.

एक नजर में भारी-भरकम खर्च कर नालों की सफाई करके खूब वाहवाही लूटी गई थी, अनदेखी के चलते वे अब फिर गंदगी और कचरे से पटे पड़े

जिन नालों की सफाई कर फैशन शो और पार्टियां कीं, वे फिर पुरानी हालत में

इंदौर. कभी गंदगी और झाड़ियों से पटे पड़े नालों की सफाई कर क्रिकेट खेला गया, फैशन शो और पार्टियां तक आयोजित कर खूब वाहवाही लूटी गई. स्वच्छता के नाम पर हुए इन प्रयासों और भारी-भरकम खर्च के वर्षों बाद आज वही नाले फिर कचरे और गंदगी से पटे नजर आ रहे हैं, जिम्मेदारों द्वारा अब उनकी सुध नहीं ली जा रही है.

स्वच्छता को लेकर देशभर में मिसाल बने इंदौर में कुछ वर्ष पहले नालों और बस्तियों की सफाई को लेकर बड़े अभियान चलाए गए थे. गंदगी हटाकर उन्हीं स्थानों पर क्रिकेट, फैशन शो और सामाजिक

आयोजन तक किए गए. उद्देश्य था कि गंदगी वाले स्थानों को स्वच्छ और उपयोगी बनाया जाए. लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते और समय बीतने के साथ तस्वीर एक बार फिर बदलती दिखाई दे रही है. शहर के कई नाले दोबारा कचरे और गंदगी से भरे नजर आ रहे हैं. नालों का गंदा पानी नदी-नालों में पहुंचने और कचरे के जमा होने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं. हाल की रिपोर्टों में भी इंदौर की जल निकासी और दूषित पानी को लेकर सवाल उठे हैं.

यह बोले नागरिक...

जब सफाई के बाद नालों की तस्वीर बदल गई थी तो आज वही हालात वापस कैसे लौटे? आखिर जनता की गाढ़ी कमाई से किए गए खर्च का स्थायी परिणाम क्यों नहीं दिख रहा?

- सोनू पगारे

इस साल तो बरसात ही नहीं हुई है, जब बरसात तेज होगी तो नालों की स्थिति और भी बदतर हो जाएगी. गंदगी, मच्छर-मक्खियों से बीमारियां फैलेंगी फिर स्वच्छता अभियान का क्या हुआ.

- जुनैद खान

नालों की सफाई के बाद क्रिकेट, फैशन शो जैसे आयोजन हुए. लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए गए, फिर वही नाले गंदगी से क्यों भर गए? क्या सफाई सिर्फ आयोजन और प्रचार तक सीमित थी?

- अंतर सिंह चौहान